

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1-- खण्ड I

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

#o 168]

नई बिल्ली, मंगलवार, अब्दूबर 31, 1967/कार्तिक, 9, 1889

No. 1681

NEW DELHI, TUESDAY. OCTOBER 31, 1967/KARTIKA 9, 1889

इस भाग में भिन्न पूछ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के कप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

परिवहन तथा नौवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष)

संस्ताव

नई दिल्ली, 8 सितम्बर 1967

संख्या 22-पी० एल० ए० 59/67.—श्रम ग्रीर रोजगार मंद्रालय ग्राजा संख्या 28(92)/64 एल० ग्रार० 4 दिनांक 19 मार्च, 1966 द्वारा भारत सरकार ने, उक्त ग्रिधिनयम की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ख) के श्रधीन एकमात्र सदस्य के रूप में श्री सलीम एम० मर्चेंट से जांच न्यायान्य गठित की है ग्रीर उन्हें निम्न ग्रनुसूची में उल्लिखित मामला सौंपा है:—

ग्रनुसूची

"कलकत्ता पत्तन तथा प्रन्य बड़े पत्तनों में 'बी' श्रेणी के मखदूरों की नौकरी की शतौँ के बारे में जांच करना श्रौर 21 जुलाई, 1958 को भारत के श्रसाधारण राजपत्र भाग 1 खंड 1 में प्रकाशित पत्तन और गोदी मजदूरों की मांगों पर जांच करने के लिये नियुक्त विशेषाधिकारी की रिपोर्ट पर परि-वहन और संचार मंत्र लय (परिवहन विभाग) में भारत सरकार के संख्या 23-पी०एल०ए० (87)/58 दिलांक 20 जुलाई, 1958 के प्रस्ताव के साथ साथ सरकार को सिफारिश करना कि किस तरह ग्रं.र कित तीमा तक उपरोक्त 'बी' श्रेणी के मजदूरों की नौकरी की शर्तों में सुधार किया जाना चाहिये।"

पत्न संख्या 28(92)/64 एल॰ आर॰ 4 दिनांक 15 अप्रल, 1966 द्वारा श्रम तथा रोजगार मंत्रालय ने न्यायालय द्वारा पूछे एक प्रश्न के उत्तर में यह स्पष्ट कर दिया था कि जांच का सम्बन्ध कल-कत्ता, बम्बई, मद्रास, विशाखापत्तनम् और कोचीन के पांच बड़े पत्तनों में 'बी' श्रेणी के मजदूरों की सेवाजों की शतों से होना चाहिये।

3. बाद में भारत सरकार ने श्रधिसूत्रना संख्या 28(92)/64 एत० आर० 4, दिनां र 4 नवम्बर, 1966 द्वारा श्री सर्ल.म एम० मर्चेंट को जांच न्यायालय के एक माल सदस्य के हरप में निम्न अनुबूची में उलिनखित मामले को भी सौपा :---

अनुसूची

"बड़े पत्तनों की 'सी' श्रेणी के मजदूरों की सेवाश्रों की जाती, की जात करना श्रीर भारत के साध रण राजपत में 21 जुनाई 1958 को प्रकाशित पत्तन श्रीर गोदी कर्मचारियों की मांगों में जांच करने के लिबे नियुक्त विशेषाधिकारी की रिपोर्ट पर परिवहन तथा संचार मंत्रानय में भारत सरकार (विरिवहन विभाग) संख्या 23 पी०एल०ए० (87)/58 दिनांक 20 जुलाई, 1958 के संस्ताव के साथ साथ सरकार को सिफारिश करना कि किस तरह श्रीर किय सीमा तक उपरोक्त 'सी' श्रेणी के कर्म-चारिशों की नौकरी की शर्तों में सुधार किया जाना चाहिये।"

- 4. भारत सरकार को जांच न्यायालय की रिपोर्ट मिल गई है। यह रिपोर्ट भारत के ग्रमा-धारण राजगत भाग 2 श्रतुभाग 3 (2) विनांक 19 श्रगस्त, 1967 में एस०श्रो० 2867 के श्रन्तर्गत पुष्ठ 1365 से 1423 तक में प्रकाणित हुई है।
- 5. भारत सरकार ने निश्चय कि स है कि जाच न्यायालय की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया जाना चाहिये। इस निश्चय के परिणामस्वरूप भारत में बड़े पत्तनों के 'बी' ग्रौर 'सी' श्रेणी के कर्म-चारिशों को निस्न ग्रतिरिक्त रियायतें दी जायेंगी :--

(1) 'बी' ओगी कर्मबारियों के लिये उपस्थिति धन:

'की' श्रेणी के वे कर्मचारी जो काम पर रिपोर्ट करते है परन्तु जिन्हें काम नहीं दिया जाता उन्हें 1 श्रक्टूबर 1967 से प्रति बुलाई 1.75 २० का उपस्थिति धन दिया जायेगा । इस उपस्थिति भत्ते की राशि पर भ्रलग से कोई मंहगाई भत्ता नहीं दिया जायेगा ।

(2) विशेषाणिकार छट्टी:

'भी' श्रेणी के कर्मचारियों को प्रति सात दिनों की हाजिरी पर एक दिन की दर से विशेषाधिकार छुट्टी दी जायेगी जो 1 जनवरी 1967 से गिनी जायेगी। छुट्टी की यह दर उन सभी कर्मचारियों पर लागू होगी जिन्होंने 'भी' श्रेणी में एक वर्ष की नौकरी पूरी कर ली है। यह विशेषाधिकार छुट्टी सीन वर्षों तक की जितनी छुट्टी होगी उस सीमा तक जमा की जा सकेगी।

(3) बीमारी की छुट्टी:

एक वर्ष में 'बी' श्रेणी के कर्मच।रियों को आधे वेतन पर चौदह दिनों की बीमारी की छुट्टी या पूरे वेतन पर सात दिनों की बीमारी की छुट्टी दी आयेगी जो 1 जनवरी 1967 से गिनी जायेगी। यह छुट्टी आधे बेतन पर चौरासी दिनें तक या पूर्ण वेतन पर व्यालीस दिनों तक जमा की जा सकेगी।

(4) ब्राकस्मिक छुट्टीः

1 जनवरी, 1968 में 'वी' श्रेणी के कर्मच'रियों को एक वर्ष में पांच दिनों की ग्राकस्मिक छुट्टी दी जायेगी। य छुट्टी ग्रधिकार के रूप में नहीं ली जायेगी किन्तु ग्रावण्यक ग्रोर ग्रुंबद्द परिस्थितियों में ली जा सकेगी। श्राविस्मक छुट्टी जमा नहीं की जा सकेगी।

(5) सर्वेतन छृद्धियां (हालीडे) ः

एक वर्ष में 'बी' और 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों को पाच सबेतन छुट्टिया दी जायेंगी जि में से तीन राष्ट्रीय छुट्टियां, श्रर्थात् गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस और महात्मा गांधी जन्म दिवस होगी। श्रन्य दो छुट्टियां पत्तन प्रशासन द्वारा यूनियनों से सलाह कर तय की जायेगी किन्तु श्रन्ततः उन्ही हे विचार पर, स्थानीय त्योहारों के महत्त्व पर निर्भर करेगी। ये 1 श्रक्टुबर, 1967 से चालू होगी।

(6) ग्रेचुटी ।

1 श्रवटूबर, 1967 में 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों पर बम्बई पोर्ट टर्मिनल बेनिफिट (श्रस्थामी मेवा) नियम के श्रन्तर्गत श्रपने श्रस्थायी कर्मचारियों के लिये बम्बई पोर्ट ट्रस्ट ग्रेच्टी स्कीम की लाइन पर ग्रेच्टी की एक स्कीम लागु की जानेगी।

श्रयकाश प्राप्त करने के या सेवात ग्रेचुटी का श्रधिकारी होने की दशा से पूर्व 'बी' श्रेणी के कर्म-चारी के 'ए' श्रेणी में पदोक्षत होने पर कर्मचारी को 'ए' श्रेणी में पेन्शन तथा श्रयकाश प्राप्त ग्रेचुटी के श्रन्तर्गत्रुंजेने लाभ दिये जाने के प्रयोजन के लिये उसकी 'बी' श्रेणी की सेवाश्रों का समय भी गिना जायेगा।

तटीय कर्मचारियों के मासले में जो पहले 'बी' श्रेणी में पदोन्नत किये जा चुके है या जिन्हे श्रव 'सी' से 'बी' श्रेणी में पदोन्नत किया जाय, 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों की चार लगातार वर्षों से श्रिक की पिछली मैत्रायों, इस स्कीम के अन्तर्गत ग्रेचुटी के लाभों के प्रयोजन के लिये वैसी ही गिनी जा गेंगी मानों वे 'बी' श्रेणी की सेवायें थी।

(7) विकिस्सा धुविधा ग्रीर मकान :

समस्त बड़े पत्तनों में 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों को 'ए' श्रेणी के समान सुविधाये मिलेगी परन्तु चिकित्सा सहायता श्रीर मकान के लाभ के सम्बन्ध में 'ए' श्रेणी का दावा पहले होगा ।

(8) 'ए' अंणी में पदोस्नति :

इसके बाद बम्बई, मद्राम, कोचीन श्रीर विशाखापत्तनम् पत्तनों में स्वाभाविक क्षति या श्रन्य कारणों की वजह में 'ए' श्रेणी में होने वाले सब रिक्त स्थान, 'बी' रिजस्टर में सर्वोच्च कर्मचारी के पदोक्षत द्वारा भरे जायेंगे। कलकत्ता पत्तन में 1 श्रक्टूबर, 1967 में उच्चता के श्रन्सार मौजूदा 'बी' श्रेणी के 520 कर्मचारी 'ए' श्रेणी में पदोन्नत किये जायेंगे किन्तु पदोन्नत किये जाने वाले कर्मचारी को श्रावक्यकता पड़ने पर दोनों स्थानों अर्थात् विभिन्न जेटियों श्रीर गोदियों में भी कार्य करना होगा। कलकत्ता में 'ए' श्रेणी में पटोन्नत किये जाने वाले कर्मचारियों में में बनाये जाने वाले दलों के गठन का काम कलकत्ता पोर्ट कमिण्नर के लिये छोड़ दिया गया है।

(9) विशाखापसनम पसन में ए 1 श्रेणी की समाप्ति :

विशाखापत्तनम् पत्तन में ए 1 श्रेणी का पदनाम समाप्त कर दिया जायेगा और ए 1 श्रेणी के कर्मचारी जिस दिन से उस श्रेणी में रखे गये हैं उस समय से 'ए' श्रेणी के स्थायी कर्मचारी माने जायेंगे श्रीर ए' श्रेणी के कर्मचारियों को मिलने वाले समस्त लाभ उन्हें दिये जायेंगे।

(10) कलकला पत्तन में 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों के लिये मकान किराया भिता :

1 ग्र⁴टूबर, 1965 से कलकत्ता पत्तन के 'बी' श्रेणी कर्मचारयों को मकान किराया भत्ता बढ़ा कर् 15 रुपये प्रति माह कर दिया जायेगा।

(11) कलकत्ता पत्तन में 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों के लिये वर्वी (यूनीफार्म) :

कलकता पत्तन के 'बी' श्रेणी के तटीय कर्मच रियों को तीन वर्ष में एक बार एक उनी जर्मी ही जायेगी। पहली मप्लाई नवम्बर, 1967 में की जायेगी।

(12) रोस्टर छुट्टी (द्याफ) :

जब 'बी' श्रेणी के कर्मचारी को जब कि स,मान्यतौर पर इस श्रेणी के कमंचारियों का बुकिंग बन्द होता है, किसी दिन छुट्टी दी जाती है श्रीर वह श्राराम के दिन के तुरन्त पहले छ दिनों की भ्रवधि के बीच में पड़ती है तब उस दिन की श्रनुपस्थित मजदूरी सहित रोस्टर छुट्टी (श्राफ) के हक के प्रयोजन के लिये विक्छेदक नहीं मानी जायेगी।

(13) 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों के बारे में सिफारियों :]

- (1) 'सी' श्रेणी में चार वर्षों की निरन्तर सेवाश्रों की पूर्ति पर, 'सी' श्रेणी के कर्मचारी स्वतः 'बी' श्रेणी में पदोक्षत हो जायेंगे श्रीर 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों की मेवा लाभों को प्र.प्त करने लगगे। यह नियम कलकत्ता पत्तन पर लागू नहीं होगा।
- (2) कलकत्ता पत्तन के सिवाय, 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों की संख्या, 'ए', 'बी' धौर 'सी' श्रेणियों की पूर्ण सख्या की 15 प्रतिशत तक सीमित रहेगी।

यदि सब योग्य 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों को 'बी' श्रेणी में पदोन्नत करने के बाद 'सी' श्रेणी में बचे कर्मचारियों की सख्या, 'ए' 'बी' श्रेणियों की सम्पूर्ण संख्या के 15 प्रतिशत से श्रिधिक है तो यह बढ़ोत्तरी 'सी' श्रेणी में उस समय तक कायम रखी जाउंगी जब तक सामान्यतया 'सी' श्रेणी की संख्या अपेक्षित स्तर तक नहीं ह्या जाती है।

- (3) चार वर्षों के बाद 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों की सेवा दशाम्रों, वेतन ग्रौर रोजगार के प्रक्त का पूर्वावलोकन किया जायेगा।
- (4) जहां कही कर्मचारियों के लिये उपरोक्त विश्व नेवा दशास्त्रों से मौजूदा सेवा दशायें सिधक अच्छी स्रीर उपयुक्त है वहां मौजूदा सेवा दशाये लागू की जायेंगी।
- (5) भारत सरकार श्री सलीम एम० मर्चेट को सौपी हुई जाच के सम्बन्ध में उनके द्वारा किये गये कार्य की सराहना करती है।

ग्रावेश

श्रादेश दिया जाता है कि इस संस्ताव की एक प्रतिलिपि संबद्ध हितों को प्रेषित कर दी जाये भीर इसे सामान्य सुचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

६० कोओट, भारत सरकार के संयुक्त सचिव ।